

भोपाल-विदिशा 4 लेन प्रोजेक्ट : किसानों की बदलेगी किरमत

44.83 किमी लंबे मार्ग पर खत्म होगा जाम का झंझट,सांची पर्यटन क्षेत्र को भी मिलेगी नई रफ्तार

▶ सांची के 15 गांवों की 128 एकड़ जमीन का होगा अधिग्रहण, हाइब्रिड एन्युटी मॉडल पर होगा कार्य

नवभारत न्यूज सलामतपुर, 16 अक्टूबर. भोपाल से विदिशा के बीच सफर करने वाले यात्रियों और क्षेत्रीय निवासियों के लिए एक बड़ी और सुखद खबर सामने आई है. स्टेट हाइवे-18 पर भानपुर (भोपाल) से लेकर सलामतपुर तक बनने वाले 44.83 किलोमीटर लंबे फोरलेन मार्ग के निर्माण की दिशा में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है.

यह परियोजना न केवल क्षेत्र के आवागमन की तस्वीर बदलेगी, बल्कि स्थानीय किसानों और अर्थव्यवस्था के लिए भी नए अवसर लेकर आएगी.

भूमि अधिग्रहण की इस प्रक्रिया के तहत रायसेन जिले के सांची जनपद क्षेत्र के 15 गांवों की लगभग 128 एकड़ कृषि और



अन्य भूमि अधिग्रहित की जाएगी. सबसे खास और राहत की बात यह है कि प्रभावित किसानों को उनकी जमीन का मुआवजा सरकारी गाइडलाइन दर से चार गुना अधिक दिया जाएगा.

किसानों के बीच पहुंचे अधिकारी, दी पारदर्शी जानकारी- परियोजना को पारदर्शी और किसान-हितैषी बनाने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एमपीआरडीसी) के वरिष्ठ

अधिकारी खुद मैदानी स्तर पर उतर चुके हैं. अधिकारी सांची जनपद के प्रभावित गांव दीवानगंज, सेमरा, सुनारी सलामतपुर, कचनारिया, रातातलाई और ढकना चपना में पहुंचकर ग्रामीणों और किसानों के साथ सीधे संवाद कर रहे हैं. उन्हें अधिग्रहण प्रक्रिया, मुआवजे के आकलन और मुआवजे के भुगतान की पूरी जानकारी दी जा रही है, जिससे ग्रामीणों में काफी उत्साह और संतोष का माहौल है.

100 करोड़ की ‘हलाली योजना’ में लीकेज

सांची और भोपाल क्षेत्र में पेयजल संकट गहराया, स्कूलें और आंगनबाड़ियां भी प्रभावित

नवभारत न्यूज सलामतपुर, 15 अक्टूबर. ग्रामीण इलाकों में हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के दावों और करोड़ों रुपये के बजट की जमीनी हकीकत की पोल ‘हलाली समूह जलप्रदाय योजना’ ने खोलकर रख दी है. लगभग 100 करोड़ रुपये के भारी-भरकम लागत से शुरू हुई यह योजना प्रशासनिक अनदेखी और निर्माण की घटिया गुणवत्ता के कारण खुद सफेद हाथी साबित हो रही है.

सांची जनपद की सेमरा ग्राम पंचायत के बनखेड़ी गांव में पाइपलाइन लीकेज के कारण योजना हज़ारों लीटर पानी सड़कों पर बहकर बर्बाद हो रहा है, जबकि दूसरी ओर आसपास के ग्रामीण नल में दो बूंद पानी के लिए तत्स रहें हैं. स्थिति यह है कि योजना का लाभ मिलने की जगह ग्रामीणों को आज भी दूर-दराज के क्षेत्रों या निजी ट्यूबवेलों से पानी ढोने को मजबूर होना पड़ रहा है.



सरकारी स्कूलों और आंगनबाड़ियों पर भी पड़ रहा है. जलापूर्ति ठप होने के कारण छोटे-छोटे बच्चों और स्टाफ को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ रहा है. लगातार शिकायतों के बावजूद पीएचई और संबंधित कार्यपालन एजेंसियों के अधिकारी मौके पर निरीक्षण करने तक नहीं पहुंचे हैं, जिससे ग्रामीणों में गहरा रोष व्याप्त है.

भोपाल और रायसेन के 61 गांवों को मिलाता है पानी- हलाली बांध पर इंटरवेल और 7.75 एमएलडी क्षमता का फिल्टर प्लांट बनाकर अगले 30 वर्षों की आबादी (वर्ष 2052 तक अनुमानित 1.42 लाख आबादी) को ध्यान में रखकर यह योजना तैयार की गई थी. सांची ब्लॉक के प्रभावित गांव, अंबाड़ी, बनखेड़ी, बरजोपुर, बेरखेड़ी, छोला, दहिड़ा, दीवानगंज, जमुनिया, कचनारिया, कडईया, कायमपुर, केमखेड़ी, खोहा, कुल्हाड़िया, मुक्तापुर, मुरलीखेड़ी, मुस्कावाद, नरखेड़ा, निनोद, नरोद, पिपपला, संग्रामपुर, सरार, सेमरा और टिंगरा. भोपाल

(फंदा ब्लॉक) के प्रभावित गांव: आचारपुरा, अरवलिया, ईटखेड़ी सड़क, इस्लाम नगर, मुग़ालिया कोट, परवालिया सेनी, सूखी सेवनिया, देवलखेड़ी, खामखेड़ा सहित 36 गांवों में भी काम अधूरा पड़ा है या पानी की सप्लाई भगवान भरोसे है.

उठते बड़े सवाल: आखिर जवाबदेही किसकी- बर्बादी का जिम्मेदार कौन? जब करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा दिए गए, तो लीकेज से बहते पानी और अधूरे निर्माण की जवाबदेही किस अधिकारी की है? गुणवत्ता की जांच कब? क्या ठेकेदार और अधिकारियों की मिलीभगत के कारण ही निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल हुआ, जिससे पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो रही है?

कब खत्म होगी ग्रामीणों की मजबूरी- भीषण गर्मी और सामान्य दिनों में भी ग्रामीणों को दूर-दराज से पानी क्यों ढोना पड़ रहा है? क्षेत्रीय ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि हलाली योजना के निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए.

निजी ट्यूबवेल से पानी लाना पड़ रहा है

हलाली जलप्रदाय योजना से 3-4 दिन में एक बार पानी आता है, वह भी केवल आधे गांव में. गांव में पीने के पानी की भारी किल्लत है. अधिकारियों से बार-बार शिकायतें की गई, लेकिन कोई ध्यान देने को तैयार नहीं है.

कैलाश, स्थानीय रहवासी, बनखेड़ी. नए कलेक्टर से समाधान की उम्मीद

विरोध पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद खुलवाया यातायात, महिलाओं ने ज्ञापन सौंपकर दुकान हटाने की पुरजोर मांग उठाई

शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर महिलाओं और बजरंग दल का धरना

नवभारत न्यूज सिलवानी, 16 अक्टूबर. तहसील के ग्राम सियरमऊ में शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर महिलाएं सड़क पर उतर आईं, वहीं राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने भी धरना देकर विरोध जताया.

देखते ही देखते स्थिति ऐसी बनी कि सड़क पर जाम लग गया और काफी देर तक गहमागहमी का माहौल बना रहा. आखिरकार पुलिस को कड़ी मशक्कत कर जाम खुलवाना पड़ा. वहीं, महिलाओं ने शराब दुकान हटाने की मांग को लेकर पुलिस प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा.



दरअसल, पूरा मामला सियरमऊ में संचालित शराब दुकान को हटाने की मांग से जुड़ा है. दुकान के विरोध में महिलाएं और राष्ट्रीय बजरंग दल के कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए

और धरने पर बैठ गए. प्रदर्शनकारियों ने शराब दुकान को हटाने की मांग उठाई. विरोध प्रदर्शन के चलते सड़क पर आवागमन प्रभावित हुआ और मौके पर काफी देर तक

गहमागहमी बनी रही. आपको बता दें कि यह मामला पहले भी प्रशासन के सामने उठाया जा चुका है. 9 अक्टूबर को मुख्यमंत्री जन विश्वास शिविर में जनजातीय

इन 15 गांवों की जमीन की जाएगी अधिग्रहित

सांची जनपद के जिन 15 प्रमुख गांवों की भूमि अधिग्रहित की जानी है, उनका खोरा इस प्रकार है: सुनारी सलामतपुर : 17.334 हेक्टेयर,टिंगरा : 5.532 हेक्टेयर, ढकना चपना: 3.991 हेक्टेयर, रातातलाई: 3.768 हेक्टेयर,कुल्हाड़िया : 3.187 हेक्टेयर, कचनारिया: 1.714 हेक्टेयर, शाहपुर : 1.337 हेक्टेयर,दीवानगंज: 1.128 हेक्टेयर, लांबाखेड़ा: 0.564 हेक्टेयर,सेमरा: 0.520 हेक्टेयर, सुआखेड़ी: 0.225 हेक्टेयर, इसके अलावा, भोपाल जिले के सूखी सेवनिया क्षेत्र में 1.80 किलोमीटर लंबे बाईपास निर्माण के लिए भी किसानों की भूमि का सर्वे कर अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है .

अधिकारी मैदानी स्तर पर किसानों से चर्चा कर रहे

मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन भोपाल-विदिशा सड़क के लिए सूखी सेवनिया से बाईपास रोड निकाल रहा है, जिसके तहत जमीन का अधिग्रहण होगा. जमीन की मांग प्राप्त हो चुकी है और अलाइनमेंट के हिसाब से सर्वे कार्य पूरा कर नियमानुसार अधिग्रहण की कार्यवाही तेजी से पूरी की जाएगी.‘

विनोद सोनकिया, एसडीएम हुजुर भोपाल, सांची क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 15 गांवों में भूमि अधिग्रहण की प्रारंभिक

बच्चों ने दिखाया प्रतिभा का हुनर, दिए सांस्कृतिक संदेश

सेंट थॉमस स्कूल में खेलकूद स्पर्धा, आकर्षक परेड, बैंड प्रस्तुति और खेलों में बच्चों ने दिखाया उत्साह

नवभारत न्यूज बेगमगंज, 16 अक्टूबर. नगर की अग्रणीय शैक्षणिक संस्था सेंट थॉमस कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2026 का भव्य आयोजन किया गया. कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने खेल प्रतिभा, अनुशासन, टीम भावना और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों का मन मोह लिया. बच्चों का उत्साहवर्धन करने के लिए बड़ी संख्या में अभिभावक और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे.

कार्यक्रम का शुभारंभ एसडीएम प्रियंका भलावी के मुख्य आतिथ्य तथा एसडीओपी सोनाली गुप्ता के विशेष आतिथ्य में हुआ. विशिष्ट अतिथियों के रूप में बीईओ राजेंद्र श्रीवास्तव, बीआरसीसी अर्जुन सिंह सिसोदिया, टीआई राजीव उईके और पीटीए अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह तोमर उपस्थित रहे. कार्यक्रम की अध्यक्षता मिस्टर ट्रेसा ने की. कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय की प्राचार्य सिस्टर मरीना, हेड



बॉय अक्षांश सोनी, हेड गर्ल्स माही सिंह सोलंकी एवं विद्यालय स्टाफ ने अतिथियों का स्वागत किया. इसके बाद अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया. विद्यार्थियों ने स्वागत गीत और मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर समारोह को आकर्षक बना दिया.

आकर्षक परेड और बैंड की प्रस्तुति ने बांधा समां: वार्षिक खेलकूद समारोह का प्रमुख आकर्षण विद्यार्थियों की अनुशासित परेड रही. अतिथियों ने वाहन में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों की सलामी स्वीकार की. विद्यालय के बैंड दल ने शानदार

प्रस्तुति देते हुए दिल्ली के लाल किले का दृश्य साकार किया, जिसे उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा. छोटे-छोटे बच्चों ने रंगारंग नृत्य प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया. विद्यार्थियों ने फुटबॉल, वॉलीबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन और हॉकी सहित विभिन्न खेलों से जुड़ी सामग्री के साथ आकर्षक प्रस्तुतियां देकर खेलों के प्रति अपनी रुचि और उत्साह प्रदर्शित किया.

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं. विशेष रूप से छोटे बच्चों द्वारा वन संपदा के महत्व और पर्यावरण

संरक्षण पर आधारित नृत्य एवं गीतों के माध्यम से दिया गया संदेश सराहनीय रहा. इन प्रस्तुतियों ने मनोरंजन के साथ प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने का संदेश भी दिया.

खेलकूद प्रतियोगिताओं के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी ऊर्जा, कौशल, अनुशासन और टीम भावना का शानदार प्रदर्शन किया. विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किया गया. कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों और गणमान्य नागरिकों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया.

रात्रि जागरण, गरबा व भजन संध्या की धूम, मां बीजासन धाम में उमड़ी भीड़



नवभारत न्यूज सिलवानी, 16 अक्टूबर. शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर नगर में चारों ओर भक्तिमय माहौल बना हुआ है. माता रानी की आराधना में श्रद्धालु लीन हैं और पूरा नगर जयकारों से गूंज रहा है. नगर में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर माता रानी के भव्य पंडाल सजाए गए हैं, जहां प्रतिदिन भजन-कीर्तन, रात्रि जागरण, गरबा नृत्य और भजन संध्या सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन किए जा रहे हैं.

नवरात्रि के चलते सुबह से लेकर देर रात तक मंदिरों और दुर्गा पंडालों में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी हुई है. श्रद्धालु माता रानी के दर्शन-पूजन कर

परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना कर रहे हैं. जगह-जगह सजे आकर्षक पंडाल और धार्मिक आयोजनों से नगर का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया है.

मां बीजासन धाम में उमड़ रहे श्रद्धालु-नगर स्थित मां बीजासन माता मंदिर में दर्शन-पूजन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं. भक्त माता रानी के दर्शन कर पूजा-अर्चना कर रहे हैं. नवरात्रि के दौरान मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बनी हुई है. वहीं, विभिन्न दुर्गा पंडालों में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में भी लोगों की उत्साहपूर्वक सहभागिता देखने को मिल रही है.

पूर्व मंत्री रामपाल सिंह

राजपूत ने किए दर्शन- नवरात्रि के पावन अवसर पर पूर्व मंत्री रामपाल सिंह राजपूत नगर में स्थापित मां दुर्गा के विभिन्न पंडालों में पहुंचे. उन्होंने माता रानी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया.

पुलिस व्यवस्था से श्रद्धालुओं को राहत- नवरात्रि के दौरान नगर में सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं. अब तक किसी अप्रिय घटना की जानकारी सामने नहीं आई है. पुलिस व्यवस्था के बीच श्रद्धालु मंदिरों और दुर्गा पंडालों में पहुंचकर शांतिपूर्ण ढंग से दर्शन-पूजन कर रहे हैं.